ing the intensive ticket checking drive.

SHRI RAM VILAS PASWAN (Hajipur): It comes after call attention.

18.01 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTNCE —*contd.*

REPORTED ANTI-MALAYALEE AND ANTI-TAMILIAN POSTERS IN BANGALORE AND INCIDENTS IN BOMBAY—*contd.*

MR. CHAIRMAN: Now, Call Attention. Shri Paswan.

श्री रामविलास पासवान (हाजीपुर): सभापति महोदय, मैं कह रहा था कि वहां पर सरकार और उसके मुख्य मंत्री जो बयान दे रहे हैं और यहां पर मंत्री महोदय द्वारा जो जवाब दिया जा रहा है, उन दोनों में अन्तर है। "डेक्कन हेराल्ड" के उस दिन के एडीटोरियल को आप पढ़िए उसके मुताबिक उन्होंने कांग्रेस (आई) के लोगों का नाम लिया, उसके नेताओं का नाम लिया और कहा है :—

"....it is not only stupid and impractical but will only set one linguistic group of people against another....".

इस प्रकार पूरा का पूरा विवरण इस में दिया है। मेरा कहना है कि इस प्रकार की बात होती है और बंगलौर विधान सभा में सरकार द्वारा इसका खंडन नहीं किया गया। यह कितना सेंसेटिव और पेचीदा मामला है, इसको गंभीरता से लिया जाना चाहिए। जितने भी बड़े-बड़े सिटी हैं, दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई, मद्रास, बंगलौर, ये तमाम जितने सिटी हैं यहां सब तरह के लोग रहते हैं, सभी जातियों और भाषाओं के लोग रहते हैं। इन शहरों में जब इस तरह की बीमारी फैलेगी और आप फैलाने की अनुमति देंगे और इसके पीछे जाने अनजाने रूलिंग पार्टी के लोगों का नाम लिया जाएगा तो जितने भी अल्प भाषा-भाषी लोग हैं, कमजोर लोग हैं, उनका क्या होगा, यह विचारणीय प्रश्न है। इसलिए मैं कह रहा था कि एक तरफ तो सरकार नेशनल इंटीग्रेशन की बात करती है और जब हमारी पार्टी या हमारी पार्टी के लोग उसमें सम्मिलित नहीं होते हैं तो हम पर तोहमत दी जाती है कि हम नेशनल इंटीग्रेशन में सम्मिलित नहीं होते और दूसरी तरफ सरकार और उसकी पार्टी स्वयं ऐसे काम करती है, डिस-इंटीग्रेशन पैदा करती है। आप आसाम के आन्दोलन को पूरे देश में फैलाना चाहते हैं 8 तारीख को बंगलौर में शुरू होता है तो 9 तारीख को बम्बई में शुरू हो जाता है, बम्बई में शिवसेना द्वारा किया गया। इसलिए सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इसको गंभीरता से लिया जाना चाहिए। सब से अधिक दुःख की बात यह है कि यह एक फैशन सा चल गया है कि जितने भी आन्दोलन होते हैं सब के पीछे किसी न किसी मंत्री का हाथ क्यों हो जाता है। जितने भी आन्दोलन हुए, सब में किसी न किसी मंत्री के पीछे प्रश्न-चिह्न लग गया। बंगलौर के मामले में पहले एक मंत्री गए, उन्होंने हरिजनों को भड़काया, जब हरिजन उनके कहने में नहीं आए तो स्टीफन साहब गए और कहा कि सब ब्राह्मण एक झण्डे के नीचे आ जाएं। जब वहां मामला हल नहीं हुआ तो तमिल—मलयालम की बात कह दी, तो इस तरह की बातें यहां पर की जाती हैं?

सभापति महोदय, अब मंत्री महोदय जवाब दें तो एक बात मैं उनसे अवश्य जानना चाहूंगा और वह यह है कि "शिव सेना"

से आपका क्या सम्बन्ध है, जब कि जहां तक हमारी जानकारी है कि जब भी शिव-सेना द्वारा कोई कार्यक्रम रखा जाता है, उसके बाद किसी न किसी की हत्या होती है या और कोई हिंसा होती है। अंतुले जी वहां पर मुख्य मंत्री हैं। जब वहां पर किसान जाते हैं, लाखों की संख्या में आते हैं तो उनको एड्रेस करने की उनके पास फुर्सत नहीं होती, लेकिन जब शिवसेना के लोग पहुंचते हैं तो उनको एड्रेस करने के लिए मुख्य-मंत्री पहुंच जाते हैं। मीटिंग खत्म होने के बाद आगजनी की घटना शुरू हो जाती है। आप तो जानते हैं शिव सेना फासिस्ट संस्था है। इसके जो प्रधान थे उन्होंने तो यहां तक कहा था कि नान-मराठी लोगों के लिए यहां कोई स्थान नहीं है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया था कि यहां पर जो वैश्यायें हैं व भी मराठी होनी चाहिए। यह उसकी विचारधारा है। कांग्रेस आई के नेता जा कर शिव सेना के लोगों को एड्रेस करते हैं। एड्रेस करने के बाद ये सारी घटनाएं घटती हैं। आपको सोचना होगा कि क्या आप उन लोगों के विरुद्ध कोई एक्शन लेने में सक्षम हैं? मैं समझता हूं नहीं हैं। आपके स्टेटमेंट की मंशा बिल्कुल साफ थी। आप में घबराहट थी। आप को लग रहा था कि यह चीज आप के खिलाफ जा सकती है। यह सब आप सोच रहे थे।

इस घटना को आप गम्भीरतापूर्वक लें। पोस्टर का जहां तक सम्बन्ध है यह ट्रू कापी है।

"True copy of the letter sent to the Prime Minister by the President of NSUI, Karnataka."

इतना ही नहीं। सब से बड़ी बात जो निकली है वह यह है कि असेम्बली में वहां डिबेट में यह कहा गया है कि डैकन हैरल्ड के सम्माननीय सम्पादक के यहां लोग गए और कहा कि यह यह समाचार छापो, एक सप्ताह में ऐसे ऐसे नहीं होगा तो आपका राशन पानी सब काट दिया जाएगा। इन्कार करने पर उसका घेराव किया गया, उसको धमकियां दी गई कांग्रेस आई के लोगों के द्वारा। यह मामला वहां उठा है, अखबारों में सारी चीज आई है।

SHRI K. LAKKAPPA (Tunkur): Sir, I rise on a point of order. This is absolutely false. Congress (I) people have not done anything. It is being painted by Con. (U) and CPI(M) on the Congress (I).

MR. CHAIRMAN: It appears that there is no point of order.

श्री राम विलास पासवान : दस तारीक को डैकन हैरल्ड में एडीटोरियल निकला था। मैं कोई अपने मन से नहीं कह रहा हूं। लकप्पा जी ने पढ़ा नहीं होगा।

SHRI K. LAKKAPPA: Sir, I am presenting the correct information about my State. One should not wholly rely on what appears in the Press.

MR. CHAIRMAN: The hon. Member is correct when he says that that golden era has not yet come when everything that appears in the Press is found to be correct.

श्री राम विलास पासवान : मैं आपकी भावना से सहमत हूं। प्रेस के अलावा यह मामला विधान सभा में उठ चुका है, किसी मंत्री ने खंडन नहीं किया है।

सभापति महोदय : यहां भी बहुत से मुद्दों पर बहस होती है, विभिन्न विचार व्यक्त किए जाते हैं। किस निष्कर्ष पर आप पहुंचेंगे ?

श्री राम विलास पासवान : भारत सरकार के दो मंत्री वहां गए थे क्या यह सही है ? क्या यह भी सही है कि जातीय आधार पर आन्दोलन को तोड़ने के लिए, जातिवाद फैलाने के लिए, ब्राह्मण हरिजन के बीच फूट डालने के लिए गए थे ?

क्या यह भी सही है कि श्री अंतुले जो महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री हैं, जिस शिव सेना के द्वारा यह सारी कार्रवाई की गई है उसको जा कर उन्होंने एड्रेस किया था और भाषण के बाद यह सारा मामला उठा और ये सारी घटनाएं घटीं ?

क्या यह भी सही है कि डैकन हैरल्ड के न्यूज एडीटर का घेराव किया गया था, उसको धमकियां दी गई थीं ?

यह जो सारी घटना है जिस के संबंध में कुरियन जी ने कहा है कि मुख्य मंत्री ने कहा है कि नहीं ऐसी बात नहीं है, प्रधान मंत्री के सकेट्रेरिएट से अभी तक पत्र नहीं मिला है, यह कह कर आप बहुत बारीकी से निकल गये कि प्रधान मंत्री की सेकेट्रेरियट से नहीं मिला है । जब कि हमारा चार्ज है कि उसने 5 तारीख को भेज दिया है, और आपकी तरफ के लोग कहते है कि वहां रिसीव नहीं हुआ है । लेकिन मैं मंत्री महोदय से कहूंगा कि आपको मिला हो या न मिला हो, आपकी इंटेलीजेंस के सामने, पुलिस के सामने यह पोस्टर छपा, और किस ने निकाला, किस ने भेजा इसकी जवाब-देही आपकी है । तो क्या आप इस सम्बन्ध में सी० बी० आई० द्वारा जांच करायेंगे कि पर्चा कहां से निकला, किसने निकाला । तमाम देश में जो एक गलत वातारण फैल रहा है कहीं जाति के नाम पर, कहीं भाषा के नाम पर इसको सख्ती से रोका जाय । शिव सेना ने क्या कहा ? आपने तो कह दिया तमिल और मलियाली भाषा को अलग करो, और शिव सेना ने कह दिया कि साउथ इंडियन को बाहर करो । इसी तरह से बिहार में आग फैलेगी कि फलां को निकालो । असम का मामला आपके सामने है । तो पूरे देश में किस तरह की विचारधारा आप लाना चाहते हो ? यह बहुत गम्भीर मामला है और इन सारी चीजों लिए क्या आप पार्लियामेंटरी कमेटी नियुक्त करेंगे । आज देश में आग लग रही है कि कौन जिले में कौन रहेगा । तो मैं जानना चाहता हूं कि इस बारे में सारे सेंसिटिव मामले के लिए कोई पार्लियामेंटरी कमेटी नियुक्त करेंगे और अध्ययन के लिए उसको वहां भेजेंगे ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): The hon. Member has only repeated and reiterated what the previous speakers have stated. I have already replied to the previous speakers about the points now raised by the Hon. Member. I quoted Deccan Herald, Regarding that name given in the poster, the President of the NSUI has completely denied it. He has said he has no hand in it. State Government has already declared in the State Assembly that all protection will be given to linguistic minorities. He said that the poster depicts the true letter which is alleged to have been written to the Prime Ministher. I have said about that. Many things are attributed to the Congress(I). I gave the example of Gujarat also. Some literature was found from the Caste Hindus. But they were atttributed to some of these Harijans. So, it always happens. Somebody wants to malign somebody else. As I have already stated, the State Government has instituted an enquiry into the matter. They are investigating into the matter. He made allegation about two Ministers of the Central Government and that issue as also clarified in the House

When Mr. George Fernandes was speaking he was making that allegation and the Minister has clarified the point. Mr. Shankaranand clarified the position. Government's position has been made amply clear in the House. So far as the speech of the Chief Minister of Maharashtra is concerned, it always happens that when such *morcha* takes place the C.M. goes there, he pacifies the people who demand somethng or the other and there is nothing wrong in C.M. addresing the *morcha* people. There is nothing wrong if he says, we will take it up with the Central Government. About the letter, I have already said, no such letter is written to the Prime Minister or the Congress President. About the Parliamentary Committee, I can say that there is no need of appointing any Parliamentary Committee on this issue. Earlier I had stated that the State Government had registered a case under Section 153(A) of I.P.C. in K.R. Puram Police Station, Bangalore on 10th March 1981 to investigate as to who were responsible for the posters and who were the persons behind these. The State Government has already taken necessary action in the matter.

MR. CHAIRMAN: Did these posters appear in Delhi?

SHRI YOGENDRA MAKWANA: It appeared in Bangalore. The State Government is enquiring into the matter and there is no necessity for appointing any Parliamentary Committee on this issue.

18.17 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

श्री राम विलास पासवान : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने कहा था कि शिव सेना फासिस्ट आर्गेनाइजेशन है और उसका प्रीवियस रिकार्ड हत्या करवाने का रहा है, तो ऐसे आर्गेनाइजेशन में मुख्य मंत्री का जाना और उसके बाद इस तरह की घटना घटना, इस सम्बन्ध में मैंने पूछा था ।

श्री योगेन्द्र मकवाना : मैंने कहा कि ऐसे बहुत से प्रैसीडैण्ट्स है पहले भी जब कि चीफ मिनिस्टर गये थे, आपके शरद पवार भी गये थे उसके पहले भी गये थे, चीफ मिनिस्टर नायक साहब भी गये थे और इन्होंने जो जो मोर्चा निकाला है, उसको एड्रेस किया है । उसमें अकेले शिव सेना ही नहीं थी, महाराष्ट्र एकीकरण समिति के सदस्य भी थे । तो ऐसे लोगों को पैसीफाई करने के लिए चीफ मिनिस्टर का जाना, उसमें कोई गलत बात नहीं है ।

SHRI JANARDHANA POOJARY (Mangalore): Sir, it has been the traditions and heritage of the people of Karnataka to live in peace and harmony with the linquistic minorities. It has been made crystal clear on the floor of the Karnataka legislative Assembly not only by the Legislators but also by the Chief Minister of Karnataka on this issue. Now, regarding the distribution of pampblets and the posters, it has been exhibited by one of the Kannadigas, that is, Mr. George Fernandes and also Mr. P. J. Kurian today. According to them, it has been stated in the posters that the electricity supply will be stopped to these linquistic minorities and the water supply will to these people and these Tamilians and the Malayalees will be sent out of Karnataka. These are the allegations made. What is the follow up action to be taken? I am submitting this because here is an attempt, political attempt to divert the minds of the linguistic minorities. Can they say whether anything has been done in this regard? Not even a single Malayalee or a single Tamilian has been sent out of Karnataka. No electricity supply or the water supply has been stopped to the colonies of Tamilians or the Keralites. But still it has been stated that there is some apprehension that something might happen to them and their lives are in danger and there is no security for them. But I would say that it is a polite gimmick. Now, why am I going to the extent of telling you all these things? It is because in spite of all these things responsible persons like Mr. George Fernandes has

[Shri Janardhana Poojary]
gone to the extent of finding out the origin of the distribution of these pamphlets and posters. If Mr. George Fernandes can say that this is published by the NSUI and Mr. Kurian can say that it can be published by the Congress I people, then it could be equally stated that it be concocted by Mr. George Fernandes, it could be concoeted by Mr. Kurian also. (*Interruptions*).

SHRI GEORGE FERNANDES: Sir, an allegation has been made. My name has been mentioned. I must be given a chance to clear the position. (*Interruptions*).

The Member is making an insinuation.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: He says It may be'.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Might be.

SHRI GEORGE FERNANDES: It is an insinuation. I produced the poster here.... (*Interruptions*).

SHRI MANORANJAN BHAKTA (Andaman and Nicobar Islands): He made an argument only.

SHRI GEORGE FERNANDES: It is not an argument, it is an insinuation.

MR. DEPUTY SPEAKER: I have been following the speech of Shri Poojary, 'It may be', he said. He has not said: 'It is.'

SHRI GEORGE FERNANDES: He has not said: 'It is'. That is why, I am saying that it is an insinuation. He is not making a charge.

MR. DEPUTY-SPEAKER: 'It is also possible', he said.

SHRI GEORGE FERNANDES: I am sitting in the House and should I keep quiet, when the hon. Member is saying: 'Mr. Fernandes might have done it? I must make my position clear.

MR. DEPUTY-SPEAKER: After the proceedings are published, if you want to give any personal explanation, it can take the permission of the Speaker on Monday next and do it. You will have to give the text also. It is always permitted.

SHRI GEORGE FERNANDES: I am grateful to you for this ruling.

SHRI JANARDHANA POOJARY: Some attribution has been made by the first speaker about the pronouncement of Chief Minister, Karnataka. It has been stated that immediately after the pronouncement of the Chief Minister, these things have crept up in Karnataka.

The Chief Minister of Karnataka has stated that Kasergod is a part and parcel of Karnataka; as per the recommendations of the Mahajan Committee report, it has been clearly stated that Kasergod is a part of Karnataka State. It is also the feeling of the Karnataka people that Kasergod is a part of Karnataka and not Kerala. What has been done after the alleged distribution of these pamphlets? Immediately thereafter Kerala Government has declared a war against Karnataka people. What have they done? Not only after that, but even after the pronouncement of the Chief Minister, they have abruptly stopped the supply of electricity to the Karnataka people there. That has been done unileterally without consulting the Government of Karnataka. Not only that, after the alleged distribution of the pamphlets, the Kerala Government has seized 29 fishing boats laden with fish worth about Rs. 2 crores. Virtually, the Kerala Government has declared a war againset the Karnataka Government.

May I know from the Home Minister whether the Central Government is going to intervene and ask the Kerala Government to release all the 29 fishing boats with fish worth about Rs. 2 crores. I am calling upon the Central Government to do his or cise the Kerala Government must be dismissed. that is my first submission.

Now, I come to the situation in Mombay, Maharashtra, which is a very sorry affair and most unfortunate. Here, the Shiv Sena people have singted out the South Indians for their attack. The South Indians for

years together have been tortured, and assaulted, their property has been looted and ransacked. They have been subjected to all kinds of attraction by the Shiv Sena people. Only during emergency that was stopped for some time. Now, once again they have started on the plea that the Maharashtra people are demanding Belgaum and other parts of Karnataka. Here also I submit, Sir, that it is the recommendation of the Mahajan Report that Belgaon, part of Bedar, part of Gharwar were the part of Karnataka. It has been decided. Now I am demanding implementation of the Mahajan Committee Report. Here, the most unfortunate thing is that in Karnataka these people, particularly the Shiv Sena people, not all the Maharashtrians, are having a grouse against Karnataka people. They have singled out the voters of Udapi particularly. They are the people belonging to my Constituency. They have been singled out, they have been tortured, they have been subjected to mental agony, they are living under the grip of fear. There is sense of fear inflicted in the minds of these people. Therefore, Sir, I am submitting that because there is no safety for the people of Karnataka in Bombay, whether the Government is going to take stern action against the Shiv Sena President or the Chairman, Mr. Bal Thakersey. If it is required, Sir, we must arrest him under the National Security Act even. I would like to know whether the Government is thinking of his arrest.

My last submission would be that the Home Minister should at least order a Central probe or judicial inquiry regarding atrocities committed, if there is no salvation for the South Indian people particularly the tribal people from my district. The Minister of State in the Ministry of Home Affairs, (Shri Yogendra Makwana): Sir, the hon. Member has not put a single question. Of course, he has made suggestions. He said the Shiv Sena has looted the property and attacked the South Indians there. Sir, I have verified from the State Government and reports which I have received from the State Government show that no such damage to property had been done, particularly to the South Indians. A March was taken out and while dispersing they pelted stones on certain sign boards and attacked certain shops. Now, all these shops are not belonging to the South Indians.

SHRI GEORGE FERNANDES:**

MR. DEPUTY-SPEAKER: This will not go on record.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: They have pelted stones on the sign-boards, they have broken show cases on the Victoria Terminal.

SHRI GEORGE FERNANDES:**

MR. DEPUTY SPEAKER: Except the reply of Shri Makwana nothing will go on record.

SHRI K. LAKKAPPA:**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Lakkappa's remarks also will not go on record.

SHRI N. GOUZAGIN (Outer Manipur): Sir for your information, Kannadigas are minorities in Bangalore.

SHRI YOGENDRA MAKWANA: It is wrong that the State Government has not given any protection. On the contrary they have arrested 39 persons. And those who have been hard hit and those who were injured are two police officers and seven constables; and out of the three civilians there is not a single South Indian. The loss to property is worth nearabout Rs. 50,000/, as estimated by the State Government (*Interruptions*) One thing which the Member had asked, is about the implementation of the Mahajan Commission's report. We have repeatedly said, in this House and the other House also, that wherever there is a dispute relating to border,

**Not recorded.

[Shri Yogendra Makwana]

and wherever there is a dispute relating to territory, if both the State Governments settle them amicably and if both the State Governments cooperate, then only will it be possible for the Central Government to implement all these reports. Otherwise, it is very difficult to implement them.

आचार्य भगवान देव (अजमेर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, यह देश का दुर्भाग्य है कि एक प्रान्त के व्यक्ति दूसरे प्रान्त के व्यक्तियों पर वार करते हैं और हमला करते हैं। जहां तक हमारा अनुभव है लड़ाई सामान्य व्यक्ति नहीं करता है, तोड़फोड़ करने वाले व्यक्ति जो राजनीति में असफल हुए हैं और गुण्डे ही करते हैं, और उनकी मिली-भगत से ही होती हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं बंगलौर गया था, जिस दिन वहां पर एक रैली निकाली गई। पासवान जी चले गए, वे भी थे, जाफर शरीफ साहब भी थे, हम बंगलौर संसदीय राजभाषा समिति के दौरे पर मैसूर जा रहे थे। हमें यह था कि वहां पर किसान रैली है और हम आठ-दस संसद् सदस्य चार-पांच कारों में जा रहे थे, इन पर हमला हो जाएगा और पत्थरबाजी होगी। हमने वहां पर एक ट्रक नहीं देखा, जब दूसरे दिन वापिस लौट कर आए तो रिपोर्ट मिली, लेकिन रास्ते में कोई किसान नहीं मिला, तो यह रैली की किसने ? वहां हमको एक ट्रक नहीं मिला, पता यह लगा कि हमारे जो भूतपूर्व, अब क्या कहूं श्री देवराज अर्स जी को, असफल राजनीतिज्ञ, पता नहीं क्या-क्या दावा करते थे, उनको हमारी अध्यक्षा के एक सैनिक, श्री गुण्डूराव जी, ने ऐसा पछाड़ा कि चारों खाने चित पड़े, तो वह व्यक्ति उन को परेशान करने के लिए इस तरह की बहाने बाजी कर रहा था। उन्होंने वहां के शरारती तत्व और जो बेकार लोग घूमते हैं, उनको इकट्ठा करके वहां पर रैली निकाली और उसके बाद जो आन्दोलन चला, हड़ताल हुई, उसमें भी हमारे मार्क्सवादी और कांग्रेस देवराज अर्स के व्यक्ति थे, उन लोगों ने शरारती तत्वों को ले कर के वहां यह हड़ताल कराई और तोड़फोड़ भी करवाई।

उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक पोस्टर का ताल्लुक है, इस देश के अन्दर तीन ऐसे तत्व हैं—एक तो आर० एस० एस०, इन्होंने तो झूठे प्रोपगेंडे में गोबल्स को भी मात कर दिया है—दूसरे नक्सलवादी और तीसरे मार्क्सवादी और हमारे यहां बैठे हुए महारथी, पता नहीं क्या-क्या यहां पर नियम की बातें करते हैं और बाहर कानून को तोडने की बात करते हैं। काले धन को जब निकालने की बात आई तो कहने लगे छोना-झपटी करो, यह हमारे जार्ज साहब कहने लगे। हमारे जो असफल राजनीतिज्ञ व्यक्ति है, ये गुण्डों का सहारा ले कर इस प्रकार की शरारतें करते हैं और पोस्टर छपवाना और पत्रिकायें छपवाना आदि।

इस सम्बन्ध में मैं आपको एक जीता-जागता उदाहरण, जो मेरे साथ बीता है, पेश करता हूं। मैं संसदीय राजभाषा समिति के दौरे पर बाहर गया। अमरीका के अन्दर मेरे सम्बन्ध में एक न्यूज उड़ाई गई, वहां पर दीनदयाल उपाध्याय एक इण्टरनेशनल केन्द्र है, जनसंघियों का जिसमें भारतीय जनता पार्टी के लोग हैं। उन लोगों ने वहां पर मेरे सम्बन्ध में एक ऐसी न्यूज उड़ाई कि आचार्य भगवान देव यहां शराब पी कर होटल में गिर गया और मुझे लोग उठा कर दूसरे होटल में ले गए। जिस भगवान देव ने बीसियों किताबें लिखीं व्यसनों के खिलाफ और तामसी पदार्थों के खिलाफ। बीड़ी, सिगरेट मैं नहीं पीता तो शराब का तो सवाल ही कहां है। यह प्रोपेगेंडा उसी दिन यहां दिल्ली के आर्गेनाइजर ने फोटो

के साथ छापा तथा न्याय अजमेर में छपा और देश के जितने जनसंघी पेपर हैं, उनमें फोटो के साथ मेरी न्यूज छपी। अब उन्होंने कुछ पश्चाताप किया है, लेकिन अभी भी पकड़ में हैं, मैंने तय नहीं किया है कि क्या करूं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात बतलाता हूं—मैं गुजरात गया था, जहां पर ये दंगे और हुल्लड़ हो रहे हैं। मैंने वहां पर जा कर देखा कि एक "साधना प्रकाशन" है जो जनसंघियों और भारतीय जनता पार्टी का है, जिस के सम्पादक विष्णु भाई हैं, जिस का कार्यालय "रिलीफ़ सिनेमा" के सामने है, वहां से ऐसा साहित्य प्रकाशित होता है जिस को अलग-अलग प्रान्तों में भेज कर बग़ावत खड़ी की जा रही है। यह सही बात है—ये लोग ग़लत नामों से पत्रिकायें और पोस्टर छपवा कर कांग्रेस (आई) को बदनाम करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं—क्या कोई व्यक्ति अपने ही घर में तोड़फोड़ कर सकता है, आग लगा सकता है? यह न्याय का तकाज़ा है— कर्णाटक में कांग्रेस (आई) की हुकूमत है, महाराष्ट्र में कांग्रेस (आई) की हुकूमत है—क्या वे कभी चाहेंगे कि गुण्डों को प्रोत्साहन दे कर अपने ही हाथों से अपने घर में तोड़-फोड़ करायें, अपने प्रान्त में अराजकता पैदा करें। इस प्रकार की बातें यहां पर करना सदन को गुमराह करना है, पाप स्वयं करते हैं और उससे बचने के लिए इल्ज़ाम कांग्रेस (आई) पर थोपते हैं। आज यह हालत है कि जो बड़े-बड़े गुण्डे हैं, जेब-कतरे हैं— जेब काट कर दूर से चिल्लाते हैं कि जेब-कतरा है, पकड़ो, जेब कट गई, इस तरह से दूसरों को उल्लू बनाते हैं और जेब काट कर धीरे से खिसक जाते हैं। यही हालत आज हमारे विरोधी पार्टियों के नेताओं की है। ये स्वयं तोड़-फोड़ करते हैं, झूठी पत्रिका छापते हैं, झूठे पोस्टर छापते हैं और कांग्रेस (आई) पर आक्षेप लगाते हैं। जिन की वहां पर हुकूमत है, वे कभी तोड़फोड़ नहीं कर सकते हैं। इन की बातों में कोई सच्चाई नहीं है।

लेकिन इतना मैं ज़रूर कहूंगा—जैसा हमारे गृह मंत्री जी ने आश्वासन दिया है कि उन शरारती तत्वों को नहीं छोड़ा जायगा — मैं इस मौके पर अपने दोनों प्रान्तों के बहादुर मुख्य मंत्रियों—श्री गुण्डूराव जी और श्री अन्तुले जी— को बधाई देता हूं, जिन्होंने वहां पर सख्ती के साथ कदम उठाया है और किसी पर आंच नहीं आने दी है।

अब जहां तक बम्बई का सवाल है—मैं बम्बई के सम्बन्ध में भी कह दूं। अभी कहा गया है कि इस में भी कांग्रेस (आई) का हाथ था। मैं शिव सेना की बात को भी साफ़ कर दूं—शिव सेना के अध्यक्ष बाल ठाकरे, अकाली दल वाले, मार्क्सवादी और नक्सलवादी—इन तमाम तत्वों— जो अराजकता फैलाने वाले तत्व हैं—की शान को यदि कोई ठिकाने लाई है तो वह श्रीमती इन्दिरा गांधी लाई है। वहां पर नगर निगम के अन्दर जनता पार्टी के लोग, भारतीय जनता पार्टी के लोग शिव सेना के साथ मिल कर सांठ-गांठ कर के हुकूमत चलाते थे। इन्हीं लोगों ने इस को प्रोत्साहन दिया है। मुझे यह भी बताया गया है कि बाल ठाकरे आर० एस० एस० का स्वयं सेवक था, उन्हीं की योजनाओं को ले कर, उन्हीं के गेरुवे झण्डे को ले कर शिवा जी को सामने रख कर, उस ने आन्दोलन शुरू किया। यह आर० एस० एस० की देन है, पुराना आर० एस० एस० वाला है जो तोड़-फोड़ कराता है। चूंकि वहां पर मोर्चे आते हैं, इसलिए हमारे मुख्य मंत्री को वहां जाना पड़ता है, क्योंकि उन को वहां शान्ति स्थापित करनी होती है। वहां जो तोड़-फोड़ हुई है उस के

[आचार्य भगवान देव]

सम्बन्ध में मैं गृह मंत्री जी से कह दूं— आपने कहा है कि 50 हजार का नुकसान हुआ है, कितना नुकसान हुआ है इस को आप देखिए, लेकिन मैं एक सुझाव देना चाहता हूं—जिन लोगों ने अपराध किया है, तोड़-फोड़ की है, कानून को तोड़ा है और जो गिरफ्तार हुए हैं—यदि यह साबित हो कि वे गुण्डे हैं तो उन गुण्डों की सम्पत्ति को जब्त कर के जिन का नुकसान हुआ है उन के नुकसान की भरपाई कराई जाय। हम हुकूमत के कोष से क्यों दें ? उन गुण्डों की सम्पत्ति को जब्त किया जाये और उस सम्पत्ति से जिन का नुकसान हुआ है उनको मुआवजा दिलाया जाय। लेकिन इस बात में कोई तथ्य नहीं है कि कांग्रेस (आई) की तरफ से ऐसा हुआ है। ये सारी शरारतें विरोधी पार्टियों के लोग करा रहे हैं।

मैं गृह मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि अल्प-संख्यक लोगों की रक्षा करने की जिम्मेदारी कांग्रेस (आई) ने ली है। श्रीमती इन्दिरा गांधी और उन के सैनिक कभी नहीं चाहेंगे कि हमारे किसी भी प्रान्त में दूसरे प्रान्त के किसी भी क़ौम या भाषा के बोलने वाले व्यक्ति को परेशान किया जाये। क्या आप इस प्रकार के क़दम उठाना चाहते हैं कि जिन लोगों का नुकसान हुआ है उन की भरपाई हो सके और जिन लोगों ने तोड़-फोड़ की है उन से उस नुकसान को वसूल किया जाय।

श्री योगेन्द्र मकवाना : माननीय सदस्य ने जो बातें कहीं हैं, मैं उन से सहमत हूं। उन की काफ़ी बातों में सच्चाई है, लेकिन यह नहीं हो सकता है कि उनकी सम्पत्ति को जब्त कर के उस में से मुआवजा दिया जाय। मैंने कहा है—39 लोगों को एरेस्ट किया गया है, उन पर केसेज चलाये जायेंगे और जो हमारे कानून में लिखा हुआ है, इण्डियन पीनल कोड की धाराओं के मुताबिक जो भी दण्ड उन को दिया जा सकता है, वह दिया जाएगा।

18.41 hrs.

BUSINESS OF THE HOUSE

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS SHRI P. VENKATASUBBAIAH): With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business in this House during the week commencing 16th March, 1981, will consist of:—

1. Consideration of any item of Business carried over from the Order Paper of today.

2. Discussion on the Resolution seeking disapproval of the Special Bearer Bonds (Immunities and Exemptions) Ordinance, 1981 and consideration and passing of the Special Bearer Bonds (Immunities and Exemptions) Bill, 1981.

3. Discussion on the Resolution seeking approval of the Proclamation issued by the President in relation to the State of Manipur.

4. General Discussion on the Manipur Budget for 1981-82.

5. Discussion and voting of the following demands relating to the State of Manipur:—

(a) Demands for Grants on Account for 1981-82.

(b) Supplementary Demands for Grants for 1980-81.

6. Discussion on the Resolution seeking disapproval of the Delhi Sikh Gurudwaras (Amendment) Ordinance, 1981 and consideration and passing of the Delhi Sikh Gurudwaras (Amendment) Bill, 1981, as passed by Rajya Sabha.

7. Consideration and passing of the